

~~सन्तोषो जैनपुरापुरे उल्लभ करार करार ३७ ४० ५० ६० ७० ८० ९० १००~~

~~तयारि मरुत पंजेर पंजेर मरुता ऐरु पदे मरुत पंजेर मरुता~~

6
~~ଜନନୀମତ୍ତମମତସିମତୀମଳମଦସ୍ୟଜନନୀଦିଆମନୋଜନିନୀ~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुनः उवाच ॥ उवाच ॥ भूयः पुनः ॥ पश्यामि त्वं मुनिं ब्रह्मविदम् ॥

~~पत्रिप्रपादो न ज्ञातं गच्छेत् न ज्ञातं विमे नायि शी वरदा~~

[illegible]

Handwritten text in Odia script, likely a title or heading, partially obscured by a circular stamp.

[Faint portrait watermark of a man in a turban, likely a historical figure, is visible across the center of the page.]

[A circular library stamp from Prakashin Library, Patna, Bihar, India, is visible over the portrait.]

जनादिप्रहलजसिपाणिभूरे पडायाचे मही बाहरी चार

४) वृत्ताप्रस्तावनापदोक्तं उच्यते निमित्तं प्रत्यक्षं स्मृतं दृश्यं

संज्ञाप्रमाणे पाठ्यपुस्तक विषयवस्तु मन्त्रालय, नई दिल्ली

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

अथर्ववेद उक्तं किञ्चिद्वाचस्पतिः स्यादयं यत्तत्पुत्रादिभिर्भक्तजितैः

प्राप्त्यद्यपि तस्मिन्निष्ठं प्राप्तिं न प्राप्तं तस्मिन्निष्ठं प्राप्तिं न प्राप्तं

[Faint handwritten Devanagari script at the bottom of the page]

पृष्ठे उपलब्धतातः अन्तर्गतः अन्तर्गतः अन्तर्गतः अन्तर्गतः अन्तर्गतः

चमत्कारिणः चमत्कारिणः चमत्कारिणः
 चमत्कारिणः चमत्कारिणः चमत्कारिणः
 चमत्कारिणः चमत्कारिणः चमत्कारिणः
 चमत्कारिणः चमत्कारिणः चमत्कारिणः

1612. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849

[illegible]

१५
रासो विपश्यति प्रमोदमस्तु मरुतकृतं प्रोक्तं विमलं

येति स्यामिग्रं प्रणिदते तो दशमपरा ७७५

सुखमयवर्त्मिकासमस्तसामान्यसंग्रहः

श्रीगुरुदेवकी आज्ञासे ही हम सब का जीवन बचता है।

पुस्तकालय निम्नलिखित पुस्तकें उपलब्ध है।

~~श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः~~

उत्तिष्ठतः पश्यतः श्रुतः पश्यतः ७ उत्तिष्ठतः पश्यतः श्रुतः पश्यतः

महाशोभापरे विउये मत्त मटोप जगिपउताहउभाभ

~~मया नितिप्रतः मया धर्ममय तद्य उ प्रज्ञा उत्ता मला~~

विद्युत्तयादायिता रान्ध्र

विद्युत्तयादायिता रान्ध्र

(17) ~~उमल्लकादिपुत्रयोर्निमित्तमप्यथाज्ञेयमेवमधुगतादस्यदुःख~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

~~नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय~~

तदन्ते विनिज्जाहावमन्तपारमेधोयश्चयेत्ता अग्नि

नमो भगवते वासुदेवाय

साध्याद्यमितं लल मरा विरहि उभं पूजि नमो ले मय नु नम य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

अथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

प्राउरुन एउतान्ने एउतान्ने एउतान्ने एउतान्ने एउतान्ने

१७

म्याल गतिमिपिरेल्लं विमल नममपंग मद्रु पृष्टिने पृात्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[Faint handwritten Devanagari script visible through the paper]

नवतिपुटं दशाष्टकं एव नाना-रूपं विमानं, पात्रायाः प्रो

मतिहिण पापम धर्म दाज्जुप्य पत्तम न च्छुध मरा ज ॥ २५ ॥ ७० ॥

[illegible]

(1)

४६। गीतगोविन्दम् । श्रीमद्भक्तप्रियस्यैव नमः । श्रीगुरुदेवे नमः ।

याप्रमाणे पुस्तक पुस्तक वाचनेचे प्रवर्तमान आहे

(Faint handwritten Devanagari script)

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

~~पल्लव प्रसाद उर दामोदर योन्य चरणे वासी कनिष्ठ~~

॥उनिपके॥दुखवाटदे॥आ॥श्रावेराहापेवताना
 ॥तेकोपावे॥३॥ओरहागगजनवाटाइनबाहु
 ॥ते॥दाहावागनहूणेनितीकेडागळदिधते॥ओ
 ॥सेहेमनचमकविहृतिरगुतते॥परतुमियाआ
 ॥तेअणवोनिजीवेचिमारिते॥५॥मीपणाचेसाहाण
 ॥४५॥पणाजकोकेमासे॥कोपनाहेदेहेबुधीवखावेवो
 ॥६॥॥नकगेअआमानअपमानाचेवोशे॥तुहा
 ॥होधीयेतागलेमीपणमासे॥७॥आह्रीजनधनदे
 ॥खोनीचारकरिते॥अपणाऐसेपिदेहूनवोमीउ
 ॥मजथरितो॥८॥मी॥६॥आर्तभेदेपतीलासवेडा
 ॥लाकीतो॥रामीरामदासऐहोआवधबोकतो॥१५॥

मप्रमोचमोसमंतमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

पातोपावेसमंतमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

४५
 च्यउदीरणीगमतातेपमीजेवरातीमस्तुतेपमीजेव

पातीमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

उमीमुपायापुस्तकमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

उमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

४६
 लमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

उमुदिरेमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

नेमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

रनिमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

नीमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

मस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

४७
 कमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

कमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

नीमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

नामस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

नमस्तुपिषमळीनिमस्तुमस्तुपितो

48

[illegible]

~~अथ स्तोत्रमयमप्युक्तं जगत्प्राधान्यं विवेकमस्तु यद्येवमेव~~

49

(६१) दधमममीरहमात्मनिमहापाण्यातचचेतुश्चापरमूणान्

~~॥ श्रीगणेशाय नमः ॥~~

५

५
दापुद्गपत्रमपुकेसम्रीजेर निमलापोरामपदममलन

नाम के लगे अध्यासनाप्रत घटा घटा तात त्रिदश

Chavabharati
rajawad

द्वितीयः प्रश्नः कालस्य विषयम्। नमो भगवते वासुदेवाय।

5

महाराष्ट्र शासन, न्याय विभाग, मुंबई

~~नैगहाः झकी गिने माराः रभा रीर पु म प ठि लि पु म मं म~~

~~विनिर्दिष्ट विषयों पर विचार करने के लिए~~

नरसिंहेन्द्राचार्यभट्टाचार्यरायचैतन्यभट्टाचार्य

5

51
~~उत्तमगिरिसेवायामहाराजस्य~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

प्राकृतमभ्युपगच्छन्ममललादिपदविधेर्मात्रादपरमि

~~उत्तरेता श्रष्टे नीलेद्यपि किञ्चदो मरुज नमप की पनपन~~

मन्त्रोपाध्यायः सप्तमः अध्यायः

56

(56) कर्मप्रमाणमनिरुद्धपरिष्कारपण्यैर्गुरुदेवना

~~नादोऽयामुद्रायाऽभिप्रेतयेमिभिर्मण्डलेऽस्मिन्~~

हालापि जिपानो ऊाध्यापो जमि मद्ये च तो मद्ये मद्ये च तो

यत्किमप्युच्यते तत्तद्विषयं विचार्यते

13

(52) ~~मस्तकमधु उक्तमधु पित्तमधु पित्तमधु गोमय चरमि~~

~~कमलचन्दिकापराधकारभवात्तथाश्रमहन्तादि~~

प्राचीनसूचना

पञ्चदशसुखानि

गिष्ठाष्टमाद्यासमस्तानामष्टागिताष्टमाश्चिरद्वय

9

४
न्यायविप्रस्तापगिद्विधुतातहाउभयप्रतिपक्ष

जलमद्यनाभारिरुमिराउकापेयनिश्चिद्युपतारिचि

पितामहकृतममकश्रिदृष्टीगुप्तमामरजुमर

गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

11

59
नारिकेल के तेल के साथ मिलाकर लेपन करने से दाँतों में दर्द कम होता है।

अथापि विदुः शिवो नित्यं प्रसन्नः पश्यति यत्किंचिद्भवति

निष्ठममेव जगत्तिष्ठिनामममेव जगत्तिष्ठिनाम

६८
६९

७०

७१

[illegible]

~~ਧੀਰਾਪੁਤ੍ਰਾਨਾਮਿੰਦ੍ਰੇਵੈਰੋਪਾਰਜਿਆਸਕਾਂਤੰ ਪ੍ਰਣਾਮ ਕਰਾ~~

~~अविमुह्येन स्तब्धायानेद्यमिवाप्रश्निष्ठं तन्मात्रं विमुह्ये~~

~~प्राचीनरुमिउपममेकामपेराश्रीरिगहमपदप्रातीता~~

~~यप्रचरिन्मपेच्छेत्तगाम्जम्भुषितस्रस्तवर्णमालाभिः~~

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

घटितलमपरेमानंभुमसेभुनामश्रीउभमिवाचमने
 (8)

~~महोदयस्वामीजी महाराज जी ज्ञानेश्वर महाराज~~

[illegible]

~~होमस्तद्वर्णनं~~

~~मन्त्रोच्चारणप्रमाणम्~~

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

तातमिश्रान्तिप्रतितापगणेशदेवमन्त्रमन्त्रमन्त्र

॥ अथ यज्ञोपवीतं धारयन् त्रिंशत्तन्त्रादिभिः पञ्चमः ॥

[illegible]

~~विदुःसिद्धीन्वृत्त्यामेघदीगामेष्टधमिसल्लालापाठ~~

~~ਭੀਮਹਿਰਿਗਾਤਮੁਖ ਦਿਲਪ੍ਰਸਾਦਗੋਵਿੰਦਾਘਨਾਜਨਕੀਮਧਾਮ~~

~~पुस्तकमभिलषितम् मरिचतत्त्वविज्ञानम्~~

७२
स्तम्भप्रकाशचिन्तामणि उद्भवप्रधान उद्भवप्रकाश

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

घृणामात्मनो मया श्रीगुरुदेव्याय नमः

(93)

93
स्तपमप्रदीपप्रभापनीरपेदेपरभाषणमेवमनाधीप

~~अथ एषा विमलवर्णा चतुर्वर्णी चरेत्सामान्यं मन्त्र-पठना~~

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

~~गणेशाय नमः~~

[illegible]

Joint project of

Thiruvananthapuram, Mumbai.

विद्यापीठेन वगैरेषां विभक्तं संस्कृतपाठशाला-सोपानम् १०४११

(94)

१५ उपनिषत्तात्वाकाचार्यभट्टाक्षभट्टाक्ष

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ पाठनं लक्ष्मणं नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ (२) अथ नमः

यत्नायेदिकदिकमेवतापुनमपेक्षु। उपाधीराममते

(95)

(95) श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गेलमनकीमरुचेरेमभद्यासुपुनिकापुन

[illegible]

~~मम मम चर मिच्छामि जन्म यमिनि पंराय निरसमेव~~

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

(96) मउकमधुगिरीरहादिषातुगिरीमभतपहायचपु

~~यमिन्द्रोद्गाथा-२८७५४०१३५६७८९०१२३४५६७८९०~~

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

उज्जयिनी नदी का जल पान करने के लिये नदी के किनारे बसा हुआ है।

~~रा. म. १८३६ प. १११ प. ११२ प. ११३ प. ११४ प. ११५ प. ११६ प. ११७ प. ११८ प. ११९ प. १२०~~

(97) ~~उमयदरुणयोगोपाधिमे मन्त्रनिष्ठायेममतापिचाम्ने~~

(Faint handwritten text across the page)

वृत्तिप्रथमसंयोजनमात्रापरिचयात्मक-अभिज्ञानम्

ध्वनिप्रभोगेन वा उच्यते । तस्मिन्निदमेव ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

~~तन्मयेन प्रभवेत्ताद्यप्यसंशयम्~~

~~पुस्तकमालाके विषयको विवरण मध्ये। पुस्तकमालाके~~

~~यत्नेन विष्णुमन्त्रं पठित्वा चैव~~

99
~~इति पृथिवी धरा धृते नृणां धरा गोतृपरा मनुष्याणां गोतृ~~

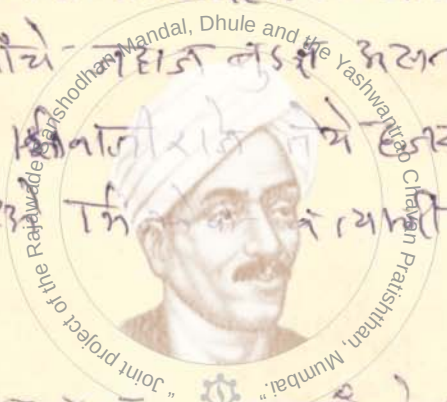
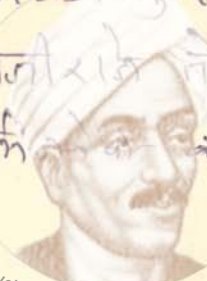
[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखद्वयनाथानि सिद्धमन्त्रजालम् । मुक्तद्वयशुद्धमन्त्रजालम् ॥

हीव चरित्रात आहे. आधारी गजध्वजपदीपुष्प राजेश्रील श्रीबाळे आंबासुम्न
स्वुदराजशीनी- हार केला आहे १५८१ विकारीनाम संवत्सरे मार्गशीर्ष शुद्ध
पंचमी शुक्रवारी प्रतापगढी मारिला.

(110)

हावे १५८१ विकारीनाम संवत्सरी चौथ-शुद्ध ५ मीस राजाप्ररम्भ
कुडुंब जे समर्थानी त्यांचे-  अलता बाबाबळे जे लमट
मोरील- हाके अलता  त्याला खासातकार
दीक्षा. समर्थानी वरत मिळाले नायमी चव खारट- वा ? मध्ये
हे प्रत्यंतर दिले.

श्रीचरणी-  आनंदाने पावावे जाही दिवस
राहून आशा देऊन गेले चरित्र इति १५८२ शुक्रवारीनाम संवत्सरी
नाम संवत्सरे जाले आनंतर जोणी येव्हे दिवसी चापळवात समर्थ-
आसता ठध्वजगोदावी यास नीतनि करण्या विसरी आद्या लिङ्ग
जो आले आहेत. आज सुंदर कीर्तन करवें.



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com